International Journal of Education, Modern Management, Applied Science & Social Science (IJEMMASSS)
ISSN : 2581-9925, Impact Factor: 6.882, Volume 05, No. 01(III), January - March, 2023, pp. 74-78

कोरोना महामारी एवं राजस्थान का पर्यटन उद्योग

डॉ संजय कुमार मण्डावत*

सार

भारत में वर्तमान में कोरोना वायरस की तीसरी लहर का दौर जारी है। कोरोना महामारी व इसके नए–नए वैरिएंट विश्व समुदाय के समक्ष एक चुनौती के रूप में सामने आये है जिसने आर्थिक, पर्यावरण, शिक्षा, सामाजिक, सांस्कृतिक, नैतिक, स्वास्थ्य, पर्यटन इत्यादि क्षेत्रों को प्रभावित किया है। वर्तमान में पर्यटन सबसे तेजी से बढ़ने वाला उद्योग है। राजस्थान भौगोलिक, ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक विविधताओं के कारण पर्यटकों को आकर्षित करने वाला महत्त्वपूर्ण राज्य है। पर्यटन देश के लिए विदेशी मुद्रा अर्जन के साथ–साथ रोजगार के अवसर प्रदान करने वाला महत्वपूर्ण उद्योग है। कोरोना महामारी से फैलने वाले संक्रमण ने संपूर्ण देश में लॉकडाउन लगने की वजह से पर्यटन उद्योग व उससे जुड़े सभी प्रकार के व्यवसायों पर प्रतिबन्ध लगा दिया। इस महामारी ने दुनिया भर के पर्यटन क्षेत्रों में यात्रा पर प्रतिबंध लगा दिया, जिससे पर्यटन क्षेत्र में भारी नुकसान हुआ। महामारी के खौफ के कारण देश–विदेश से राजस्थान में आने वाले पर्यटकों की संख्या में गिरावट दर्ज की गई। प्रस्तुत पेपर में राजस्थान की अर्थव्यवस्था में पर्यटन के महत्व को समझने एवं पर्यटन क्षेत्र पर इस महामारी के प्रभाव एवं चुनौतियों का अध्ययन करना है।

शब्दकोश: *कोरोना महामारी, पर्यटन, लॉकडाउन, विदेशी मुद्रा, अर्थव्यवस्था और रोजगार।*

प्रस्तावना

मनुष्य स्वास्थ्य लाभ, प्राकृतिक विविधता एवं सौंदर्य को निहारने तथा उनके बारे में जानने की जिज्ञासा के कारण देश–विदेश में भ्रमण करता है। इस दृष्टि से राजस्थान अपनी भौगोलिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, भाषायी और स्थापत्य कला में विविधता के कारण पर्यटकों के आकर्षण का एक प्रमुख केंद्र रहा है। अरावली पर्वतमाला राजस्थान के उत्तर–पूर्व से दक्षिण–पश्चिम दिशा की ओर फैली हुई है जहाँ प्राकृतिक, वानस्पतिक, वन्य जीवों की विविधता का अदभूत दृश्य एवं स्थापत्य कला के बेजोड़ मंदिर, दुर्ग, हवेलियां, महल स्थित है। राजस्थान का विशाल आकार होने के कारण यहाँ जलवायवीय विविधता पाई जाती है। स्वास्थ्यप्रद जलवायु वाले पर्यटक क्षेत्र पर्यटकों के आकर्षण का प्रमुख केंद्र है। इस अरावली पर्वतमाला के पश्चिम में विशाल थार का मरुस्थल है। जहां स्थापत्य कला का बेजोड़ नमूने वाली पुरानी सभ्यताओं के अवशेष, पैलेस, हवेलियां, किले, थड़े, मंदिर स्थित है वही सुंदर रमणीय रेगिस्तानी धोरे, झीले, रेत के टीले, सफारी पैलेस भी प्रमुख पर्यटन स्थल स्थित है। किन्तु कोविड महामारी ने पर्यटन के क्षेत्र में विकास की गति को धीमा कर दिया है कोविड महामारी ने विश्व के समक्ष पर्यटन उद्वोग के सभी स्तरों में एक वैश्विक संकट खड़ा कर दिया है कोरोना महामारी की शुरुआत 2019 में चीन के वुहान प्रांत से हुई। वर्तमान में यह संपूर्ण विश्व में फैल चुका है। कोविड–19 एक खतरनाक वायरस जनित बीमारी है इसके संक्रमण के फलस्वरुप बुखार, जुखाम, खांसी, सांस लेने में तकलीफ और गले में खराश जैसी समस्याएं उत्पन्न हो जाती है। यह वायरस खांसी एवं छीक से गिरने वाली बूंदों के जरिये वातावरण में फैलता है। यह एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में फैलने वाला वायरस है जिसे डब्ल्यूएचओ ने वैश्विक महामारी घोषित कर दिया है। इस महामारी ने विश्व को लंबे समय तक

* सहायक आचार्य–भूगोल, डॉ. बी आर अम्बेडकर राजकीय महाविद्यालय महुवा, दौसा, राजस्थान।

लॉकडाउन में धकेल दिया। भारत में कोरोना की प्रथम पुष्टि 30 जनवरी 2020 को केरल में हुई। इसके चलते भारत में विभिन्न चरणों में लॉकडाउन लगाया गया। भारत में 25 मार्च 2020 से 30 जून 2020 के मध्य पांच चरणों में लॉकडाउन लगाया गया। इस महामारी ने संपूर्ण विश्व को आपातकाल की ओर धकेल दिया।

अध्ययन का उद्देश्य

- कोविड महामारी से राजस्थान की अर्थव्यवस्था पर पड़ने वाले नकारात्मक प्रभाव का अध्ययन करना।
- राजस्थान सरकार द्वारा पर्यटन क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए किए गए प्रयासों का अध्ययन करना।
- कोविड महामारी में लॉकडाउन के दौरान उपजी चुनौतियों का अध्ययन कर सुझाव प्रस्तुत करना।

विधि तंत्र

कोरोना महामारी में राजस्थान की अर्थव्यवस्था व पर्यटन के समक्ष उपजी चुनौतियों व उससे पड़ने वाले प्रभाव के अध्ययन करने के लिए द्वितीयक आकड़ों का उपयोग किया गया है। प्रस्तुत पत्र में विभिन्न पुस्तकों, शोध पत्रों, पत्र प्रकाशनों, इंटरनेट पर उपलब्ध विभिन्न प्रमाणित रिपोर्टों, वेबसाइटों एवं पत्र–पत्रिकाओं का अध्ययन किया गया है

राजस्थान में पर्यटन उद्योग एवं कोरोना महामारी

राजस्थान में कोरोना का प्रथम केस की पुष्टि 2 मार्च, 2020 को जयपुर में हुई राजस्थान चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग ने 20 जुलाई, 2020 तक 563 मौतों और 21,886 वापस स्वस्थ होने सहित कुल 29,835 मामलों की पुष्टि की। राजस्थान में भी इसकी वैक्सीन टीके कोवैक्सीन व कोविशील्ड के रूप में चिकित्सालय में उपलब्ध हैं जिसको राजस्थान सरकार द्वारा मुफ्त में लगाया जा रहा है। इसकी दो डोज लगवाई जा रही है जो कोरोना योद्धाओं के बूस्टर डोज भी लगाई जा रही है। यह वैक्सीन कोविड–19 के खिलाफ बहुत प्रभावी है लेकिन कोई भी वैक्सीन पूरी तरह से इस बीमारी को पूर्णता समाप्त नहीं कर पाई। अभी भी इस वैक्सीन के दुष्प्रभाव भविष्य के गर्भ में छुपे हुए हैं। यदि हम राजस्थान के संदर्भ में कोरोना महामारी के प्रसार के बारे में अध्ययन करें, तो 31 जनवरी, 2022 तक राजस्थान में कुल 12,06,421 व्यक्ति कोरोना पॉजिटिव आए हैं जिनमें से 9268 की मृत्यु कोरोना से हुई है एवं 11,30,136 व्यक्ति वापस ठीक हुए है। राजस्थान में अभी भी 67,017 सक्रिय मामले हैं। इस महामारी के कारण राज्य के पर्यटन उद्योग व उससे जुड़े उद्योगों को भी काफी क्षति उठानी पड़ी है।

राजस्थान की अर्थव्यवस्था में पर्यटन उद्योग का हिस्सा लगभग 15 प्रतिशत है। यह विदेशी मुद्रा अर्जित करने वाला राज्य का दूसरा सबसे बड़ा उद्योग है। विदेशों से भारत में आने वाला हर तीसरा पर्यटक राजस्थान आता है। अंतर्राष्ट्रीय पर्यटकों के संदर्भ में भारत में राजस्थान राज्य का पांचवा स्थान रखता है। राजस्थान में सर्वाधिक विदेशी पर्यटक जयपुर, उदयपुर एवं जोधपुर में आते हैं। उनमें भी सर्वाधिक क्रमशः फ्रांसीसी (14 प्रतिशत), ब्रिटिश (12 प्रतिशत), संयुक्त राज्य अमेरिका (11 प्रतिशत), जर्मनी (7 प्रतिशत), ऑस्ट्रेलिया (6 प्रतिशत) से आते हैं। स्वदेशी पर्यटकों की की दृष्टि से राजस्थान का सातवां स्थान है। सर्वाधिक स्वदेशी पर्यटक अजमेर, पुष्कर, माउंट आबू, जयपुर, जोधपुर, उदयपुर में आते हैं। राजस्थान में पर्यटकों के आगमन का वितरण माहवार असमान पाया जाता है। पर्यटक सर्वाधिक जनवरी से मार्च महीने के मध्य में आते हैं, जबकि अप्रैल से जून महीने के मध्य अत्यधिक गर्मी के कारण न्यूनतम संख्या में पर्यटक राजस्थान आते हैं।

राजस्थान राज्य में 1981 में स्वदेशी पर्यटकों की संख्या 26 लाख एवं विदेशी पर्यटकों की संख्या 2.20 लाख थी जो वर्ष 1991 में स्वदेशी पर्यटकों की संख्या 43 लाख एवं विदेशी पर्यटकों की संख्या बढ़कर 4.94 लाख हो गई। वर्ष 2001 में स्वदेशी पर्यटक 77.57 लाख एवं विदेशी पर्यटकों की संख्या 6.08 लाख हो गई। वहीं वर्ष 2011 में स्वदेशी पर्यटक 2.71 करोड एवं विदेशी पर्यटक 13.51 लाख तक बढ़ गए। वर्ष 2019 में स्वदेशी पर्यटक 5.22 करोड़ एवं विदेशी पर्यटकों की संख्या बढ़कर 16.05 लाख हो गई। किंतु वर्ष 2020 में कोरोना महामारी एवं लॉकडाउन के चलते वर्ष 2019 की तुलना में –71.05 प्रतिशत की स्वदेशी पर्यटकों में गिरावट दर्ज की गई जिससे स्वदेशी पर्यटकों की संख्या घटकर 1.51 करोड रह गई। वहीं विदेशी पर्यटकों में –72.19 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई जिससे

विदेशी पर्यटकों की संख्या घटकर 4.46 लाख रह गई। पर्यटक मुख्यतः देश के विभिन्न भागों में से या विदेशों से आए हुए लोग होते हैं। इस महामारी ने सभी प्रकार के पर्यटन सम्बन्धी गतिविधियों पर रोक लगा दी, ताकि बाहर से कोई संक्रमित व्यक्ति आकर बीमारी का कारण न बने। स्थानीय चिकित्सा सुविधाएं एवं दैनिक आवश्यकताओं की आपूर्ति पर अधिक दबाव न बढ़े। महामारी व लॉकडाउन के चलते राजस्थान में अंतर्राष्ट्रीय, अन्तर्राज्यीय सीमाएं एवं यातायात के साधन बंद हो गए। हवाई यात्रा में गिरावट आने से वर्ष 2020 एवं 2021 में अंतर्राष्ट्रीय एवं स्वदेशी पर्यटकों की संख्या में भारी गिरावट दर्ज की गई।

क्र.सं.	वर्ष	पर्यटकों का आगमन		योग
		स्वदेशी (लाख में)	विदेशी (लाख में)	
1	1981	26	2.20	28.20
2	1991	43	4.94	47.95
3	2001	77ए57	6.08	83.65
4	2011	271ए37	13.51	284.89
5	2019	522ए20	16.05	538.25
6	2020	151ए17	4.46	155.63

प्रगति प्रतिवेदन 2020–21, पर्यटन विभाग, राजस्थान।

माह	राज्य में वर्ष 2020 में पर्यटकों के आगमन का तुलनात्मक विवरण								
	वर्ष 2020			वर्ष 2019			गत अवधि की तुलना में प्रतिशत परिवर्तन		
	स्वदेशी	विदेशी	योग	स्वदेशी	विदेशी	योग	स्वदेशी	विदेशी	योग
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
जनवरी	4097814	169648	4267462	3867897	183828	4051725	5.94	–7.71	5.32
फरवरी	3000771	183468	3184239	2655035	224188	2879223	13.02	–18.16	10.59
मार्च	4327711	86573	4414284	5746589	217348	5963937	–24.69	–60.17	–25.98
अप्रैल	0	86	86	5154491	121314	5275805	–100.00	–99.93	–100.00
मई	0	115	115	2401088	58326	2459414	–100.00	–99.80	–100.00
जून	26113	277	26390	2540784	41127	2581911	–98.97	–99.33	–98.98
जुलाई	104468	459	104927	3241861	58248	3300109	–96.78	–99.21	–96.82
अगस्त	252777	570	253347	4146464	95191	4241655	–93.90	–99.40	–94.03
सितम्बर	365870	815	366685	9931613	93154	10024767	–96.32	–99.13	–96.34
अक्टूबर	629586	1015	630601	4391300	169187	4560487	–85.86	–99.40	–86.17
नवम्बर	952271	1377	953648	4046523	213167	4259690	–76.47	–99.35	–77.61
दिसम्बर	1359858	2054	1361912	4096786	130482	4224268	–66.81	–98.43	–67.78
योग	15117239	446457	15563696	52220431	1605560	53825991	–71.05	–72.19	–71.09

प्रगति प्रतिवेदन 2020–21, पर्यटन विभाग, राजस्थान।

कोरोना महामारी के प्रसार को रोकने के लिए पूरे देश में चिकित्सा एवं अति आवश्यक सेवाओं के अलावा उद्योग एवं परिवहन सहित सभी प्रकार की सेवाओं पर प्रतिबंध लगा दिया गया। प्रत्येक देशवासियों से लॉकडाउन के दौरान सामाजिक दूरी बनाए रखने की अपील की गई। हवाई, रेल तथा परिवहन के अन्य सभी साधनों पर रोक लगा दी गई। साथ ही सभी बाजार और सभी निजी तथा सरकारी कार्यालय बंद कर दिए गए। अचानक से लगाए गए लॉकडाउन से सभी भ्रमण स्थलों, होटलों की बुकिंग, रेल तथा हवाई यात्राओं की बुकिंग रद्द करनी पड़ी। इस महामारी ने राजस्थान में ही नहीं बल्कि संपूर्ण देश के पर्यटन उद्योग और उसके सहायक उद्योगों जैसे होटल, परिवहन, टूर एजेंसी, एजेंट गाइड को प्रभावित किया। इस महामारी के चलते सभी आर्थिक गतिविधियों बंद हो गई। साथ ही लोगों की आय के स्रोत भी बंद हो गये। लोगों ने लॉकडाउन के दौरान अपनी जमा पूंजी दैनिक जरूरतों को पूरा करने एवं चिकित्सा एवं स्वास्थ्य पर खर्च कर दी। व्यक्ति को घूमने का विचार तभी आता है जब लोगों के पास पर्याप्त पैसा हो।

लॉकडाउन के दौरान राजस्थान सहित भारत के प्रत्येक राज्य में आवश्यक सेवाओं को छोड़कर सभी सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक संस्थानों को बंद कर दिया गया। चिकित्सा सुविधा के विस्तार के साथ तथा

समाज में कोरोना में बचाव के लिए नवाचार करना एवं सामाजिक दूरी बनाए रखना अतिआवश्यक हो गया। पर्यटन राजस्थान की आर्थिक समृद्धि और रोजगार सर्जन का महत्वपूर्ण निर्धारक उद्योग है। पर्यटन राजस्थान का सकल राजस्व व विदेशी मुद्रा अर्जुन का एक बड़ा स्रोत है। इस स्रोत में सरकारी व गैर सरकारी संस्थाएं कार्यरत है जिसमें यात्रा एजेंट, संचालक, स्थल, जल एवं वायु परिवहन, गाइड होटलों के मालिक, अतिथि, गृह, रेस्तरां और दुकाने शामिल है जो इस महामारी से सबसे अधिक प्रभावित हुए है। इस प्रकार पर्यटन किसी भी देश में रहने वाले लोगों के जीवन स्तर तथा रहन–सहन की स्थिति में सुधार लाने के साथ–साथ ही रोजगार सृजन करने वाला महत्वपूर्ण उद्योग है।

राजस्थान में पर्यटन के विकास के समक्ष चुनौतियां

राजस्थान में पर्यटन की अपार संभावनाएं मौजूद हैं। परन्तु दुर्भाग्यवश इन संभावनाओं का पूरा पूरा दोहन नहीं हो पा रहा है। राजस्थान भारत देश की भांति बहुधार्मिक एवं बहुसांस्कृतिक विरासत वाला राज्य है। जहां प्राकृतिक एवं मानवीयकृत पर्यटन स्थलों की भरमार है। दुनियाभर के अनेक देश राजस्थान के आकार से भी बहुत छोटे हैं किंतु विश्व पर्यटन के व्यवसाय में राजस्थान की तुलना में देश की अर्थव्यवस्था में उनका हिस्सा बहुत अधिक है। कोरोना महामारी से पूर्व राजस्थान में पर्यटन की दृष्टि से पिछड़ापन एवं समुचित विकास नहीं होने का प्रमुख कारण पर्यटकों को आकर्षित करने वाली सुदृढ़ आधारभूत अवसंरचना का अभाव है। राज्य में आधारभूत अवसंरचना जैसे अपर्याप्त कनेक्टिविटी, परिवहन के साधनों, आवास, दूरसंचार, सड़कों की खस्ताहालत, ट्रेनों में आरक्षण न मिलने, अपर्याप्त कौशल, असुरक्षा की भावना, अप्रशिक्षित गाइड, जटिल वीजा प्रक्रिया, अत्यधिक भीड़भाड़, पर्यटन स्थलों पर फैली गंदगी, प्राकृतिक चिकित्सा, बिजली व पानी की कमी राज्य के पर्यटन विकास में चुनौतियां बनकर खड़ी हुई है। वर्ष 2019 के अंत में कोरोना महामारी के कारण बंद पड़े पर्यटन व उससे जुड़े व्यवसाय को पुनःस्थापित करना, केंद्र और राज्य सरकारों के समक्ष सबसे बड़ी चुनौती बन कर उभरी है।। राजस्थान में कोरोना महामारी के साथ ही पर्यटन के क्षेत्र में सामाजिक दूरी बनाए रखना, सार्वजनिक परिवहन के साधनों का प्रयोग न करना, होटल एवं धर्मशालाओं के ठहरने में असुरक्षित महसूस करना, यात्रा पर्यटन एवं अतिथि क्षेत्र को पुनः स्थापित करना, राज्य को प्राप्त विदेशी एवं स्वदेशी मुद्रा अर्जन में कमी की भरपाई करना इत्यादि नई चुनौतियां उभर कर सामने आयी।

निष्कर्ष

पर्यटन की सफलता उस देश या राज्य की सुरक्षा की भावना, बेहतर सुविधाओं, जनता के व्यवहार, आतिथ्य और शिष्टता पर निर्भर करता है। महामारी के बाद राज्य के पर्यटन को वापस विकास की पटरी पर लाने के लिए ठोस उपाय करने होंगे। पर्यटन उद्योग पर आए इस संकट से निजात पाने के लिए सरकार एवं जन सामान्य को सम्मिलित प्रयास करने की आवश्यकता है। राज्य सरकार द्वारा पर्यटन उद्योग को संबल प्रदान करने एवं पर्यटन गतिविधियों को पुनःस्थापित करने के लिए नई पर्यटन नीति 2020 एवं 500 करोड रुपए के पर्यटन विकास कोष का निर्माण किया गया है। कोरोना महामारी से उत्पन्न विषम परिस्थितियों से प्रभावित पर्यटन उद्यमियों को आर्थिक संबल प्रदान करने के लिए मुख्यमंत्री पर्यटन उद्योग संबल योजना 2021 संचालित की जा रही है, जिससे एक ओर राज्य की अर्थव्यवस्था को गति मिलेगी, वहीं दूसरी तरफ रोजगार के नये अवसर प्राप्त होंगे। इसके लिए सर्वप्रथम कोरोना महामारी से बचाव के लिए सरकार को सामाजिक दूरी का पालन कराते हुए सुरक्षात्मक उपायों को जनसामान्य तक पहुंच विकसित करवानी होगी राजस्थान सरकार को पर्यटन से जुड़े उद्योगों की सहायता के लिए अनुदान एवं कम ब्याज पर वित्तीय सहायता मुहैया करवानी होगी। साथ ही पर्यटन के क्षेत्र में निजी भागीदारी को बढावा देना होगा इसके अलावा पर्यटकों के लिए महामारी के लिए क्वॉरेंटाइन होना यात्रा के लिए प्रमुख बाधाओं में से एक है। इसके लिए स्रोत और गंतव्य देशों के मध्य समन्वित दृष्टिकोण एवं हवाई यात्राओं में प्रस्थान, आगमन चिकित्सा और स्वच्छता से संबंधित प्रक्रियाओं का सरलीकरण किया जाना अति आवश्यक होगा।

इसके अलावा पर्यटन क्षेत्र में विस्तार करते हुए विविध आयामों जैसे साहसिक पर्यटन, चिकित्सा पर्यटन, पारिस्थितिकी पर्यटन, ग्रामीण पर्यटन इत्यादि क्षेत्रों की तलाश करनी होगी। साथ ही बैठकों, संगोष्ठियों, सम्मेलनों और प्रदर्शनियों इत्यादि के माध्यम से राज्य में पर्यटन को बढ़ावा देना होगा। पर्यटन स्थलों, परिवहन साधनों, विश्राम ग्रहों और इस व्यवसाय से जुड़े सभी प्रकार के स्थलों को सैनिटाइज कर पुनः शुरू करना होगा। राज्य में पर्यटन क्षेत्र में स्वदेशी एवं विदेशी पर्यटकों को पुनः आकर्षित करने के लिए बड़े स्तर पर प्रचार–प्रसार करना होगा। सरकार को मुख्य रूप से पर्यटन उद्योग को पुनः स्थापित करने के लिए घरेलू पर्यटकों को अधिक प्रोत्साहित करना होगा। उन्हें भय मुक्त कर पर्यटक क्षेत्रों में सभी प्रकार की सुविधाएं एवं चिकित्सा सुविधा उपलब्ध करवाने का विश्वास दिलाना होगा। इसके लिए यात्रा, पर्यटन और आतिथ्य क्षेत्र में व्यापक नवाचार लाने की जरूरत होगी। इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, टेलीविजन, रेडियो, समाचार पत्रों इत्यादि के माध्यम से जनता को महामारी के प्रति जागरूक करना होगा। वैक्सीनेशन की डबल डोज का प्रमाण पत्र की जांच करना होगा। पर्यटकों की आर्थिक समस्या का समाधान कर तरलता की व्यवस्था करना होगा। होटल में परिवहन के क्षेत्र में आर्थिक मदद के विशेष पैकेज देकर उन्हें पुनःस्थापित करना होगा। सभी प्रकार के सार्वजनिक पर्यटक एवं परिवहन स्थलों पर त्वरित गति से सभी प्रकार की स्वास्थ सेवा में उपलब्ध करवाना होगा। महामारी से लोगों के आय के स्रोत सीमित एवं खर्चे अधिक हो गए थे। अतः घूमने के लिए पर्याप्त नकदी की कमी को दूर करने के लिए सभी प्रकार के पर्यटन स्थलों एवं परिवहन के साधनों में विशेष पैकेज छूट के आकर्षक प्रावधान किया जाना आवश्यक होगा। अतः पर्यटन विकास में बाधक इन तत्वों को दूर करने के लिए हमें त्वरित एवं दीर्घकालीन रणनीति अपनानी होगी। तभी जाकर इस महामारी के दौर में राजस्थान के पर्यटन उद्योग व इससे जुड़े लघु उद्योगों को संजीवनी बूटी मिलेगी।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

1. Chandel, R. S., Kanga,S. and Singh, S. K. (2021); Impact of COVID.19 on tourism sector: a case study of Rajasthan, India; AIMS Geosciences, 7(2): 224–243.
2. Jaipuria, S., Parida, R., and Ray, P. (2021); The Impact Of Covid-19 on Tourism Sector in India; Recreation Research, 46, 245-260.
3. Kulshrestha R. and Seth, K.; (2020); The effect of COVID-19 on the Indian tourism industry Journal of Xidian University VOLUME 14, ISSUE 7.
4. Yadav, S. and Qureshil, M.; (2020); Impacts of Covid-19 on Indian Travel & Tourism Industry; International Journal of Trade and Commerce&IIARTC. July&December 2020, Volume 9, No. 2 pp. 310&318.
5. अतुल्य भारत, जनवरी–मार्च 2020, त्रैमासिक गृह पत्रिका, पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली।
6. कुल्हार, डॉ. मनोज (2015); राजस्थान में पर्यटन : वर्षवार तुलनात्मक अध्ययन; (2012 से 2015) International Journal of Geology, Agriculture and Environmental Sciences Volume – 3 Special Issue, January & December 2015.
7. प्रगति प्रतिवेदन 2020–21, पर्यटन विभाग, राजस्थान।
8. प्रगति प्रतिवेदन 2019–20, पर्यटन विभाग, राजस्थान।

❖◆❖